08/06/2025

आकाशवाणी ईटानगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विकसित भारत की यात्रा में महिलाओं द्वारा निभाई गई परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला, पिछले 11 वर्षों में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर सरकार के फोकस को रेखांकित किया। केंद्र में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर, मोदी ने फिर से पुष्टि की कि विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और कई लोगों को प्रेरित कर रही हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि एनडीए सरकार ने कई प्रभावशाली पहलों के माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को फिर से परिभाषित किया है। इनमें स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से सम्मान सुनिश्चित करना, जन धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन और जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण शामिल हैं।

00000000000000000000

केंद्र में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर, भारत की पर्यावरण यात्रा स्थिरता के साथ विकास के एक मॉडल के रूप में सामने आई है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सिद्धांतों से प्रेरित होकर, देश ने एक ऐसे विकास मॉडल को अपनाया है जो पर्यावरण संरक्षण को समावेशी विकास के साथ जोड़ता है। नमामि गंगे मिशन, स्वच्छ भारत अभियान और गोबरधन योजना जैसी प्रमुख पहलों ने नदी के कायाकल्प, स्वच्छता और अपशिष्ट से ऊर्जा के प्रयासों को बदल दिया है। एक पेड़ माँ के नाम जैसे नागरिक-संचालित अभियानों के तहत एक सौ बयालीस करोड़ से अधिक पेड़ लगाए गए हैं।

वन्यजीव संरक्षण में, बाघों, शेरों और चीतों के लिए प्रमुख परियोजनाओं ने भारत की जैव विविधता को मजबूत किया है। तीन हजार छह सौ बयासी बाघों के साथ, भारत अब दुनिया की पचहत्तर प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी को आश्रय देता है।

00000000000000000000

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने अरुणाचल प्रदेश के लोगों से प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ़ आवाज़ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया है कि यह संकट सिर्फ़ वैश्विक नहीं है, बल्कि स्थानीय भी है। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा, "अरुणाचल के पहाड़ों से लेकर समुद्रों तक, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक जैव विविधता को ख़तरे में डाल रहा है, नदियों को प्रदूषित कर रहा है और हमारी खाद्य श्रृंखला में घुल मिल रहा है।" अरुणाचल की समृद्ध पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए, श्री खांडू ने परंपरा में निहित स्थायी प्रथाओं की वापसी का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "ऐसी भूमि में जहाँ प्रकृति का सम्मान किया जाता है, हमें प्लास्टिक को ना कहकर और बांस, पत्तियों और स्थानीय इको-शिल्प जैसे स्थायी विकल्पों को हाँ कहकर उदाहरण पेश करना चाहिए।"

00000000000000000000

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास के लिए आसानी से उगाए जा सकने वाले फलों और फसलों की ओर कृषि का विविधीकरण आवश्यक है। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत बेंगलुरु की अपनी यात्रा के दौरान बोलते हुए, चौहान ने ड्रैगनफ्रूट की खेती के लाभों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि ड्रैगनफ्रूट की खेती के लिए रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि खाद पर्याप्त होती है, जिससे यह एक जैविक फसल बन जाती है। मंत्री ने आगे बताया कि कैक्टस परिवार का सदस्य ड्रैगनफ्रूट बीमारियों से कम प्रभावित होता है, जिससे उत्पादन की लागत कम होती है और किसान खेती के पहले वर्ष के बाद सालाना 6-7 लाख रुपये का लाभ कमा सकते हैं।

0000000000000000000

अरुणाचल प्रदेश ने मई दो हजार पच्चीस तक के जीएसटी संग्रह में साल- दर- साल इकसठ दशमलव नौ प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जो सभी राज्यों में सबसे अधिक है। अधिकारी ने कहा कि यह उछाल मजबूत आर्थिक गति और करदाताओं के बीच बढ़ती जागरुकता और अनुपालन को दर्शाता है। सीजीएसटी ईटानगर आयुक्तालय ने इस सफलता का श्रेय राज्य जीएसटी विभाग और स्थानीय प्रशासन के साथ संयुक्त रूप से आयोजित चल रही आउटरीच पहलों को दिया।

0000000000000000000000

मावाली गांव में फंसे एक परिवार तक राहत सामग्री पहुंचाकर सत्रह सदस्यीय दल जिसमें दिवांग वैली जिला प्रशासन के कर्मचारियों सहित स्थानीय सदस्य सफलतापूर्वक छह जून को अथूनली लौट आया। बताते चले की भारी बारिश के वजह से हैंगिंग ब्रिज जो इस गांव को दूसरे क्षेत्रों से जोड़ता है के बह जाने के बाद एक जून से ही परिवार बाहरी संपर्क से कटा हुआ है। इससे पहले शुरुआत में ड्रोन के जरिए हवाई आपूर्ति विफल हो गए क्योंकि डीडीएमए और भारतीय सेना के ड्रोन कुछ मात्रा में चावल और पैकेज भोजन पहुंचाने के बाद क्रेश हो गया था।

इसके बाद डीडीएमए ने एक ग्राउंड टीम बनाई, जिसने पांच जून को लगभग दो सौ किलोग्राम खाद्यानन, दवाइया और जरुरी सामान लेकर एक चुनौतिपूर्ण यात्रा शुरु की। ऊभर - खाबड़ इलाको से गुजरते हुए नदियों को पार करते हुए और लकड़ी के अस्थायी पुल बनाते हुए, दस घंटे के कठिन यात्रा के बाद टीम मावाली गांव पहुंचे।

0000000000000000000

आकाशवाणी आज अपनी नब्बेवीं वर्षगांठ मना रहा है। उन्नीस सौ छत्तीस में इसी दिन भारतीय राज्य प्रसारण सेवा का नाम बदलकर ऑल इंडिया रेडियो (AIR) कर दिया गया था। यह ऐतिहासिक अवसर देश के सांस्कृतिक, सूचनात्मक और प्रसारण इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है - एक ऐसी आवाज़ का जन्म जो पीढ़ियों तक गूंजती रहेगी। सात जून उन्नीस सौ छत्तीस को, ऑल इंडिया रेडियो की तत्कालीन आधिकारिक पत्रिका द इंडियन लिसनर के पहले पन्ने पर दुनिया को AIR की घोषणा की गई और जादू शुरू होने से एक दिन पहले लिखा गया। आकाशवाणी का दिल्ली स्टेशन एक ऐसा केंद्र बन गया जहाँ आवाज़ों को पंख मिला और इतिहास को एक माइक मिला। स्वतंत्रता के बाद, AIR का तेज़ी से विस्तार हुआ और उन्नीस सौ छप्पन में इसे "आकाशवाणी" नाम दिया गया। आज, आकाशवाणी पांच सौ इक्यानवे स्टेशनों का संचालन करती है, जो भारत की अट्ठानवे प्रतिशत आबादी तक पहुँचती है और तेईस भाषाओं और एक सौ छियालीस बोलियों में प्रसारण करती है।

00000000000000000000